

।। वृत्तानां लक्षणं गणव्यवस्था यतिसंख्या च ।।

क्रमसंख्या	छन्दः	अक्षरसंख्या	वृत्तम्	लक्षणम्	गणव्यवस्था								यति
					ज	त	ज	गुरु	गुरु				
1	त्रिष्टुप्	11	उपेन्द्रवज्रा	उपेन्द्रवज्रा जतजास्तगौगः	ज	त	ज	गुरु	गुरु				
2	त्रिष्टुप्	11	इन्द्रवज्रा	स्यादिन्द्रवज्रा यदि तौ जगौगः	त	त	ज	गुरु	गुरु				
3	त्रिष्टुप्	11	उपजातिः	अनन्तरोदीरितलक्ष्मभाजौ									
				पादौ यदीयादुपजातयस्तः ।									
4	जगती	12	वंशस्थम्	जतौ तु वंशस्थमुदीरितं जरौ ।	ज	त	ज	र					
5	जगती	12	द्रुतविलम्बितम्	द्रुतविलम्बितमाह नभौ भरौ	न	भ	भ	र					
6	अतिजगती	13	मञ्जुभाषिणी	सजसा जगौ भवति मञ्जुभाषिणी	स	ज	स	ज	गुरु				
7	अत्यष्टि	17	पृथ्वी	जसौ जसयला वसुग्रहयतिश्च पृथ्वी गुरुः	ज	स	ज	स	य	लघु	गुरु	8,9	
8	अत्यष्टि	17	मन्दाक्रान्ता	मन्दाक्रान्ताम्बुधिरसनगैर्भनौ तौगयुग्मम् ।	म	भ	न	त	त	गुरु	गुरु	4,6,7	
9	अतिधृति	19	शार्दूलविक्रीडितम्	सूर्याश्वैर्मसजास्ततः सगुरवः शार्दूलविक्रीडितम्	म	स	ज	स	त	त	गुरु	12	
10	जगती	12	ऋग्विणी	ऋश्चतुर्भिर्युता ऋग्विणी कीर्तिता	र	र	र	र					
11	अतिशक्वरी	15	मालिनी	ननमययुतेयं मालिनी भोगिलोकैः	न	न	म	य	य			7,8	
12	प्रकृति	21	ऋधरा	ऋधर्याणां त्रयेण त्रिमुनियतियुता ऋधरा कीर्तितेयम्	म	र	भ	न	य	य	य	7,7,7	
13	अत्यष्टि	17	शिखरिणी	रसरुद्रैश्छिन्ना यमनसभलागः शिखरिणी	य	म	न	स	भ	लघु	गुरु	611	
14	त्रिष्टुप्	11	रथोद्धता	रन्नराविहरथोद्धता लगौ	र	न	र	लघु	गुरु				
15	जगती	12	तोटकम्	वद तोटकमब्धिसकारयुतम् ।	स	स	स	स					
16	त्रिष्टुप्	11	दोधकम्	दोधकवृत्तमिदं भभभाद्गौ	भ	भ	भ	गुरु					
17	जगती	12	सुजङ्गप्रयातम्	सुजङ्गप्रयातम् भवेद्वैश्चतुर्भिः	य	य	य	य					
18	शक्वरी	14	वसन्ततिलका	उक्ता वसन्ततिलका तभजा जगौगः	त	भ	ज	ज	गुरु	गुरु			
19	शक्वरी	14	इन्दुवदना	इन्दुवदना भजसनै सगुरुयुगैः	भ	ज	स	न	गुरु	गुरु			Prepared By
20	अष्टि	16	पञ्चचामरम्	जरौ जरौ ततो जगौ च पञ्चचामरं भवेत्	ज	र	ज	र	ज	गुरु			Sankaranarayanan.A
21	त्रिष्टुप्	11	स्वागता	स्वागतेति रनभाद्गुरुयुग्मम्	र	न	भ	गुरु	गुरु				Principal,GHSS Edappally

E Mail sankarjiodakara@gmail.com